सुघ्घर पढ़वईया

उत्कृष्ट विद्यालयों के प्रमाणीकरण की योजना

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़

सुघ्घर पढ़वईया

पूरी तरह से स्वेच्छा और स्वप्रेरणा की इस योजना में

वे शिक्षक शामिल हों

जिनमें उत्कृष्टता की ललक है

जो अपने विद्यार्थियों को ऊंची उड़ान के लिये पंख देना चाहते हैं

जो उन्नति और प्रगति के नित नये सोपान तय करना चाहते हैं

जिनकी स्पर्धा अन्य से नहीं बल्कि स्वयं से ही है

और

प्राप्त करें स्कूल की उन्नति के लिये बेहतर संसाधन

तथा

उत्कृष्टता का प्रमाणपत्र

आइये अपने स्कूल को उत्कृष्ट बनायें !

- इस योजना का एक वेब-पोर्टल होगा।
- पोर्टल पर कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के लिये न्यूनतम अकादमिक कौशल के मापदंड उपलब्ध हैं।
- योजना में भाग लेने वाले स्कूल सभी विद्यार्थियों में कक्षा अनुरूप न्यूनतम अकादमिक कौशल विकसित करने का प्रयास करेंगे।
- जो विद्यालय इस योजना में शामिल होना चाहते हैं, वे अपने सभी शिक्षकों की बैठक में निर्णय लेकर वेब-पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।
- पोर्टल पर कक्षा अनुरूप अकादमिक कौशल विकसित करने के लिये पैडॉगाजी, प्रशिक्षण, टी.एल.एम. आदि के संसाधन उपलब्ध होंगे।
- पोर्टल पर अन्य विद्यालयों द्वारा किये गये नवाचारों की जानकारी भी होगी और प्रदेश के तथा प्रदेश के बाहर के स्कूलों की केस स्टडी भी होंगी।
- यदि विद्यालय के शिक्षक कोई विशिष्ट प्रशिक्षण लेना चाहेंगे तो वे विभाग से उस प्रशिक्षण का अनुरोध कर सकेंगे और वह प्रशिक्षण उन्हें उपलब्ध कराया जायेगा।
- विद्यालयों के अनुरोध पर उन्हें अन्य अकादमिक संसाधन भी दिये जा सकेंगे।
- पोर्टल पर कक्षा अनुरूप अकादमिक कौशलों का स्व-आंकलन करने का टूल भी उपलब्ध होगा जिसका उपयोग करके शिक्षक अपने स्कूल की प्रगति का स्व-आंकलन कर सकेंगे ।

प्रमाणीकरण

- योजना में शामिल विद्यालय जब स्व-आंकलन से संतुष्ट हो जायें कि उनके सभी विद्यार्थियों में कक्षा अनुरूप अकादमिक कौशल विकसित हो गये है, तो वे वेब-पोर्टल पर थर्ड-पार्टी आंकलन के लिये आवेदन कर सकेंगे।
- संचालक लोक शिक्षण द्वारा इन विद्यालयों के थर्ड पार्टी आंकलन में लिये किसी अन्य विकासखंड के शिक्षकों का एक दल बनाया जायेगा।
- संचालक लोक शिक्षण व्दारा बनाया गया दल संबंधित विद्यालय के साथ समन्वय करके थर्ड-पार्टी आंकलन के लिये तिथि निश्चित करेगा, और निश्चित तिथि को उस विद्यालय में जाकर उसका आंकलन करेगा।
- थर्ड-पार्टी आंकलन में एक से अधिक दिन भी लग सकते हैं।
- थर्ड-पार्टी आंकलन में सर्वप्रथम दर्ज संख्या के विरुध्द उपस्थिति देखी जायेगी और उपस्थिति 98% से कम होने पर थर्ड-पार्टी आंकलन नहीं किया जायेगा।
- विद्यालय के सभी विद्यार्थियों का आंकलन योजना के लिये स्वीकार किये गये समस्त अकादमिक कौशलों के लिये किया जायेगा और कम से कम 95% प्रतिशत विद्यार्थियों में कक्षा अनुरूप अकादमिक कौशल होने पर ही उस कक्षा के लिये और उस अकादमिक कौशल के लिये विद्यालय को 1 अंक मिलेगा. 95% से कम विद्यार्थियों में कक्षा अनुरूप न्यूनतम अकादमिक कौशल मिलने पर उस कक्षा और अकादमिक कौशल के लिये 0 अंक मिलेगा।
- इस प्रकार विद्यालय की सभी कक्षाओं के लिये समस्त अकादमिक कौशलों हेतु प्राप्तांकों के आधार पर स्कूल का प्रमाणीकरण किया जायेगा. 90% या उससे अधिक अंक मिलने पर सुघ्घर पढ़वइया प्लेटिनम, 85%से अधिक किन्तु 90% से कम अंक मिलने पर सुघ्घर पढ़वइया गोल्ड और 80%से अधिक परंतु 85% से कम अंक मिलने पर सुघ्घर पढंवइया सिल्वर का प्रमाणपत्र दिया जायेगा।
- जिस विद्यालय को प्रमाण पत्र मिलेगा, उसमें पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों को भी प्रमाण पत्र मिलेगा।
- प्रमाणीकरण की घोषणा थर्ड-पार्टी आंकलन के तत्काल बाद वेब-पोर्टल पर कर दी जायेगी और विद्यालय की उत्कृष्ठता हेतु प्रमाणपत्र स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस के अवसर पर समारोहपूर्वक प्रदान किया जायेगा।
- यह योजना राज्य के सभी शासकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिये खुली है।

- योजना में शामिल होने की कोई अंतिम तिथि नहीं है. विद्यालयों के शिक्षक आपस में राय करके कभी भी योजना में शामिल हो सकते हैं।
- स्कूलों की प्रतिस्पर्धा एक-दूसरे से नहीं बल्कि स्वयं से ही है. सभी स्कूल प्रयास करके सुघ्घर पढ़वइया प्लेटिनम प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं।
- स्कूलों के सभी शिक्षकों को साथ मिलकर स्कूल के सभी विद्यार्थियों में अकादमिक कौशल विकसित करने का प्रयास करना है. प्रमाणपत्र के लिये पात्रता तथी होगी तब पूरा स्कूल प्रमाणपत्र का पात्र हो. किसी एक शिक्षक, एक विद्यार्थी या एक कक्षा के लिये प्रमाणपत्र नहीं होगा।
- यदि कोई स्कूल सुघ्घर पढ़वइया सिल्वर या गोल्ड प्रमाणपत्र प्राप्त कर लेता है तो वह स्कूल आगे और प्रयास करके सुघ्घर पढ़वइया गोल्ड या सुघ्घर पढ़वइया प्लेटिनम प्रमाणपत्र भी प्राप्त कर सकता है, इस योजना में निरंतर प्रगति करने का प्रयास होगा।
- जो स्कूल योजना में शामिल होंगे उनके द्वारा लक्ष्य प्राप्ति के लिये अनुरोध किये जाने पर (ऑन-डिमांड) प्रशिक्षण तथा अन्य संसाधन उपलब्ध कराये जायेंगे।
- जिन संकुलों के 90% से अधिक स्कूल सुघ्घर पढ़वइया (प्लेटिनम, गोल्ड या सिल्वर, किसी भी स्तर का) प्रमाणपत्र प्राप्त कर लेंगे उन्हें सुघ्घर पढ़वइया संकुल का प्रमाणपत्र दिया जायेगा. इसी प्रकार जिस विकासखंड के 90% से अधिक स्कूल सुघ्घर पढ़वइया (प्लेटिनम, गोलड या सिल्वर, किसी भी स्तर का) प्रमाणपत्र प्राप्त कर लेंगे उन्हें सुघ्घर पढ़वइया विकास खंड का प्रमाणपत्र दिया जायेगा।

टीमवर्क के माध्यम से सफलता का जश्न मनाने का अवसर

इस कार्यक्रम में सभी को एक दूसरे के साथ मिलकर एक टीम के रूप में काम करने का अवसर मिलेगा. यदि किसी की वजह से विद्यालय के अंक कम होते हैं तो अन्य सभी मिलकर एक टीम के रूप में स्कूल के अंक सुधारने की दिशा में काम करेंगे.इससे परस्पर सहयोग एवं मिलकर आगे बढ़ने की संस्कृति विकसित होगी.

बेहतर कार्य करने हेतु एक स्पष्ट टार्गेट की उपलब्धता:

- इस कार्यक्रम के अंतर्गत तैयार टूल के आधार पर विद्यालयों को बेहतर प्रदर्शन करने हेतु स्पष्ट टार्गेट दिखाई देता है।
- विद्यालयों को अपने यहाँ सीखने का वातावरण बनाने हेतु आवश्यक कार्यक्षेत्र के साथ-साथ, शिक्षकों को अपने अपने विषय में focus के साथ काम करते हुए प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा बेहतर प्रदर्शन किये जाने हेतु प्रेरित किया जा सकेगा. यह बात कही जाती है कि लक्ष्य सामने होने पर कार्य करना आसान हो जाता है।

निष्क्रिय साथियों को भी बेहतर प्रदर्शन हेतु दबाव:

- जब अधिक से अधिक साथी इस कार्यक्रम से जुड़ने लगेंगे और यह देखने में आयेगा कि कुछ निष्क्रिय साथी भी सकारात्मक विचारों से कार्य कर रहे साथियों से प्रभावित होकर तथा कुछ पियर प्रेशर के कारण योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रेरित होंगे।स्वप्रेरणा से कार्य करने की संस्कृति भी विकसित होगी।

सकारात्मक विचार वाले साथियों को जुड़ने का अवसर:

- सकारात्मक विचार वाले शिक्षकों को आपस में जुड़ने के लिए एक प्लेटफ़ार्म मिल सकेगा। अभी हमारे बहुत से शिक्षक साथी बेहतर करने की इच्छा के बावजूद अपने अन्य साथियों द्वारा ताना देने या मजाक उड़ाने की वजह से आगे आकर कुछ करने से झिझकते हैं। इस योजना से विभाग में कार्य करने की मानसिकता वाले साथी आपस में जुड़कर अपने जैसे ही अन्य साथियों को भी जुड़ने हेतु प्रेरित कर सकेंगे और अच्छे कार्य करने की मानसिकता वाले साथियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो सकेगी।

स्वप्रेरणा से बेहतर प्रदर्शन करने वालों को जोड़ने की पहल

अच्छे कार्य की मंशा अच्छा परिणाम देनेके लिये पर्याप्तनही है।अक्सर हम यह भूल जाते हैं कि हमारा लक्ष्य बच्चों को सिखाना और बच्चों में सीखने की क्षमता विकसित करना है। बहुत सारे साथी पढ़ाने में नवाचार कर रहे हैं परंतु अब समय है कि हम अपने नवाचारों पर मोहित होना बंद करके उनकी उपयोगिता पर विचार करें। अच्छा पढ़ाने की उपयोगिता तभी है जब हमारे विद्यार्थी कक्षा अनुरूप अकादमिक कौशल सीखें।आज की आवश्यकता कक्षा अनुरूप आकादमिक कौशल विकसित करने की है।

स्वप्रेरणा से अच्छे कार्य एवं बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित करें ताकि उन्हें देखकर और भी शिक्षक अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित हो सकें। अधिक से अधिक शिक्षक पूरी सकारात्मकता और टीम भावना के साथ बेहतर माहौल बनाने में सफल हो सकें, यही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है।

विभागीय अधिकारियों द्वारा अपने अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक शालाओं को बेहतर शालाओं के रूप में विकसित करने की जवाबदेही लेने से सरकारी स्कूलों की छवि में अप्रत्याशित सुधार दिखाई देगा और हमारे सरकारी स्कूल असरकारी प्रभाव दिखाने में सफल हो सकेंगे ।